भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1261

गुरूवार, 5 दिसम्बर, 2024/14 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

इको-टूरिज्म

1261 श्री संजय सेठ:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) इको-टूरिज्म के विकास के लिए राष्ट्रीय रणनीति के मुख्य घटक क्या-क्या हैं तथा राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में इको-टूरिज्म पहलों को किस प्रकार बढ़ावा देने का लक्ष्य है;

(ख) उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कौन-कौन से विशिष्ट प्रयास किए जा रहे हैं और उनके अपेक्षित परिणाम क्या हैं;

(ग) मंत्रालय इको-टूरिज्म को प्रभावी ढंग से बढ़ावा देने के लिए अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया सहित डिजिटल प्लेटफार्मों का किस प्रकार लाभ उठाने की योजना बना रहा है;

(घ) इको-टूरिज्म के विकास में, विशेष रूप से संवेदनशील पारिस्थितिक क्षेत्रों में चिरस्थायी प्रथाओं को सुनिश्चित करने के लिए क्या-क्या प्रयास किए गए हैं; और

(ङ) इन पहलों का स्थानीय समुदायों पर और देश भर किए गए संरक्षण प्रयासों का क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): भारत को इको-पर्यटन के लिए एक पसंदीदा वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से, पर्यटन मंत्रालय ने इको-पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है। इको-पर्यटन के विकास के लिए निम्नलिखित रणनीतिक स्तंभों की पहचान की गई है:

(i) राज्य का मूल्यांकन और रैंकिंग
(ii) इको-पर्यटन के लिए राज्य की रणनीति
(iii) आईईसी, क्षमता निर्माण और प्रमाणन
(iv) विपणन और संवर्धन

(v) गंतव्य और उत्पाद विकास

(vi)सार्वजनिक-निजी और सामुदायिक भागीदारी

(vii) साझेदारी युक्त शासन और संस्थागत ढांचा

पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से समग्र रूप से भारत का संवर्धन करता है। जारी गतिविधियों के भाग के रूप में, इको-पर्यटन सहित विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय भी अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर प्रचारों के माध्यम से विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और इको-पर्यटन उत्पादों का नियमित रूप से संवर्धन करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए इको-परिपथ को एक थीम के रूप में चिह्नित किया है।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों का विकास करने के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है। यह योजना पर्यावरणीय स्थायित्व, सामाजिक-सांस्कृतिक स्थायित्व और आर्थिक स्थायित्व सहित स्थायी पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

*****